032 सूरह सज्दा.

खुलासा मज़ामीने कुरान उर्दू.| मौलाना मलिक अब्दुर्रउफ साहब.

बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहिम.

इस मुबारक सूरह का मज़मून कुरान की तरफ दावत देना हे, और मुजरिमो के बुरे अंजाम और नेक लोगो के दर्जो का खासतौर से जिक्र हुवा हे.

| जिस्म और रूह की हिदायत अल्लाह की तरफ से होती हे

ये किताब तमाम जहानो के रब की तरफ से उतारी गई हे. इस्मे कोई शक नही कि ये हक हे और के आप्के रब की तरफ से उतारी गई हे ताकी आप इस्के जरीये से ऐसे लोगो को डराये जिन्की तरफ आप्से पेहले कोई डराने वाले नही आया, ताकी वो हिदायत पाये. और वोही आसमानो और जमीनो को ६ दिन मे पैदा करने वाला हे. और वोही शाही तख्त पर तशरीफ फरमा हे. और आसमान से ज़मीन तक्के सारे मामलात का इन्तेजाम वोही करता हे. और वोही खुली हुई और छुपी हुई बातो का जान्ने वाला हे. उस्ने जो चीझ भी बनाई बहुत खूबसूरत बनाई. उस्ने इन्सान को मिट्टी से बनाया और उस्की

नस्ल एक हकीर और बेकदर पानी से चलाई. और उस्को ठीक करके उस्मे रूह फूकी, फिर सुन्ने देखने और समझने की कुव्वते अता फरमाई, मगर लोग बहुत ही कम शुक्र अदा करते हे. (इन्सान को मनी के नापाक कतरे से बनाने के बाद उस्को कहा से कहा तक पहुंचा दिया और अशरफुल मखलुकत बना दिया.) वो लोग केहते हे कि हमारी हड्डियां जब ज़मीन के जर्रो (पार्टिकल्स) मे मिल जायेंगी तो क्या हम फिर से नये सिरे से पैदा होगे? आप उन्हे बतलादे मलेकुल मौत तुम्हारी जान निकालेगा, फिर तुम अपने रब की तरफ लौटाये जावोगे.

| मुजरिमो, नाफरमानो का बुरा अंजाम, मोमिनो पर इनाम.

ये नाफरमान लोग जब हमारे पास आयेंगे तो इन्के सर झुके हुवे होगे, कहेगे कि हमे दुन्या मे वापस भेज दे, हमे यकीन आगया, और हम दुन्या मे जाकर अच्छे आमाल करेंगे. याद रखो! अगर हम चाहते तो सब लोगो को हिदायत दे देते, मगर हमे जिन्नातो और इन्सानो से दोज़ख को भी भरना हे. वहा उन्से कहा जायेगा आज मेरी मुलाकात को झूठलाने का मझा चखलो. हमारी आयतो पर उन्हीलोगो का ईमान हे जो

अल्लाह की आयतो को सुन्कर नसीहत हासिल करते हुवे और अल्लाह तआला की तारीफ करते हुवे सज्दे मे गिर पडते हे (यहा पर एहतियातन सज्दा करले) उन्की करवटे रात को बिस्तर से अलग रेहती हे, वो अल्लाह तआला अज़ाब के खोफ और सवाब की उम्मीद के साथ पुकारते हे, और उस्के दिये हुवे माल मेसे खर्च करते हे. याद रखो मोमिन और नाफरमान बराबर नही हो सकते, इस्लीये ईमान वालो की मेहमान नवाज़ी जन्नत हे, और नाफरमानो का ठिकाना दोज़ख हे, वो जब भी वहा से निकलना चाहेगे वापस उसीमे ढकेल दिये जायेंगा, और उस बडे अज़ाब से पेहले भी हम इस दुन्या मे छोटे अज़ाब उन्हे चखाते रहेंगे, ताकी ये लोग हमारी नाफरमानी से रुक जाये. और उस्से बडा जालिम कौन होगा जो नसीहत की बात सुन्कर भी कान ना धरे, लिहाजा हम उन्से इन्तेकाम (बदला) ज़रूर लेकर रहेंगे.

| नेक लोगो की एक जमात को खुशखबरी.

आपकी तरह हज़रत मूसा (अल) को भी किताब मिली थी जो वो बनी इसराईल के लिये हिदायत का सब्ब थी, जब्तक उन्होने सब्र किया और हमारी बातो पर यकीन रखा, हम्ने उन्मे

भी रेहनुमा पैदा किये, जो हमारे हुक्मो से दूसरो की रेहनुमाई किया करते थे. लेकिन ये ज़ालिम, मुशरिक पेहले तबाह की हुई बस्तियो मे चलते फिरते हे, फिर भी उन्से कोई इबरत और नसीहत नही हासिल करते. और ये लोग अपने रब की उसी कुदरत पर गौर कर लेते के अल्लाह तआला एक ऐसी सूखी हुई और चटकल ज़मीन पर पानी बहाकर ले जाते हे और फिर उसी ज़मीन से फसल उगाते हे, जिस्से उन्के जानवरो को भी चारा मिलता हे और उस्से ये खुद भी खाते हे. और मुशरिक केहते हे कि हमारा फैसला (दुन्याका और आखिरतका अज़ाब दोनो मुराद हो सकते हे) कब होगा? आप उन्हे बतादे कि फैसले के दिन तुम्हारा ईमान तुम्हे नफा नही देगा, ना तुम्हे मोहलत मिलेगी, इस्लीये आप उन्हे उन्के हाल पर छोड दे, और आप इन्तेज़ार करे. क्युकी ये लोग भी इन्तेज़ार कर रहे हे.